सेक्सी ब्लू फिल्म देख कर मां की चुत चुदाई-1

“मैंने मॉम डैड को कई बार सेक्स करते देखा, मैं सोचता कि मैं भी इस खेल का मजा लूँ। मेरी मॉम की जवानी के शोले भड़क रहे थे। कहानी में पढ़ें कि मैंने क्या किया। ...”

Story By: ramji (ramji336)
Posted: Wednesday, April 5th, 2017
Categories: माँ की चुदाई
Online version: सेक्सी ब्लू फिल्म देख कर मां की चुत चुदाई-1

Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire

सेक्सी ब्लू फिल्म देख कर मां की चुत चुदाई-1

दोस्तो, हिंदी सेक्स स्टोरी की इस मनोरम साईट के आप सभी पाठकों को मेरा नमस्कार। आज मैं अपने जीवन की एक घटना आप लोगों के साथ साझा करना चाहता हूँ। मुझे उम्मीद है कि आप सब इस सेक्स स्टोरी को पसंद करेंगे।

बात उस समय की है.. जब मेरी उम्र 18 साल की थी और मेरी मॉम 36 की थीं। मेरी जवानी अभी शुरू हुई थी.. जबकि उनकी जवानी के शोले अब भी भड़क रहे थे।

मेरी मॉम बहुत सेक्सी और सुन्दर हैं.. बनाने वाले ने उनको 38-32-38 के कटाव वाला एक बहुत ही हसीन शरीर बख्शा था। मेरी मॉम के मम्मे और उनके चूतड़ों पर बनाने वाले ने विशेष रहमत बरसाई हुई थी, उनका सुडौल और गोरा बदन बहुत मस्त था। मैं मॉम को जब भी देखता.. तो मुझे उनकी सेक्सी फ़िगर देखकर मन में गुदगुदी होती थी। मैंने उनको एक दो बार नंगी नहाते भी देखा था।

मैं बचपन से ही उनके बेडरूम में सोता था, तो मॉम-डैड को कई बार सेक्स करते देखा था.. वो अंधेरे में सेक्स करते थे.. लेकिन उनकी कामुक आवाजें मुझे सुनाई देती थीं.. क्या मस्ती से वे दोनों चुदाई करते थे। डैड धक्का मारते तो मॉम उम्म्ह… अहह… हय… याह… आवाज निकालतीं और उछल उछल कर उनका साथ देती थीं।

मैं रात को सोने का नाटक करते हुए थोड़ी जल्दी सो जाता। फिर दोनों बिजली बुझा कर शुरू हो जाते थे। वो समझते थे कि मैं सो रहा हूँ लेकिन मैं सोने का नाटक करता था।

मैं उनके सेक्सी खेल को देखा करता था, मेरा लंड खड़ा हो जाता था और झटके लेता हुआ बार बार ऊपर नीचे होता था।

मैं भी सोचता कि मैं भी कैसे इस खेल का मजा लूँ। यह सोच कर कई बार लंड खड़ा जाता और रात को मेरे लंड का रस झड़ जाता था। एक दो बार तो जब मॉम मेरे बगल में सोई हुई थीं.. तो मैं उनसे जानबूझ कर चिपक कर सोता, कभी उनकी टांगों के बीच में अपनी टांगें डाल देता तो उनकी नींद खुलने पर वो मुझे अलग कर देतीं।

मैं सोचता रहता कि मेरे साथ क्यों नहीं चिपकतीं।
मैं कई बार उनके चूतड़ों पर हाथ फेरता, चूचे भी दबा देता, तो वो हाथ हटा देतीं थीं। इस तरह मैं मौके की तलाश में रहता था।

मैं लगभग रोज मां बाप की चुदाई देखता था.. तो मैं बहुत उत्तेजित हो जाता था और सोचता था कि मुझे कब मजा मिलेगा।

एक बार उन्हें पता चल गया कि मैंने चुदाई करते देख लिया है.. तब से मॉम-डैड दूसरे रूम में जाकर सेक्स करने लगे थे।

मैं मॉम की चूचियों को निहारता था.. जब भी वो खाना परोसतीं या झुककर काम करतीं, तो उनके चूचे कुछ ऊपर उठते हुए बाहर को निकलने को हो जाते थे। जब वो चलती थीं तो उनके हिलते चूतड़ों की दरार में फंसी साड़ी को देखता रहता था। वो कभी मुझे देखतीं तो अपना पल्लू ठीक करतीं, साड़ी ठीक कर लेतीं।

मैं बचपन से मां की जवानी का शवाब और कई रूप देखते आया हूँ। मैंने एक बार मॉम की अल्मारी में सेक्सी फोटो वाली किताब देखी, उसमें नंगी औरतों और मर्दों की सेक्स करते हुए तस्वीरें थीं।

उसे देखने में मुझे मजा आता था और देखते-देखते मेरे लंड से रस गिर जाता था।

एक बार की बात है, मेरे डैड किसी बिजनेस टूर पर गए हुए थे और उस दिन घर पर भी और कोई नहीं था।
रात को डिनर के बाद मैं और मॉम टीवी पर मूवी देख रहे थे, मूवी में भी बहुत सेक्सी सीन थे.. जो मुझे उत्तेजित कर रहे थे। मूवी के बाद फिर सेक्सी गाने आने लगे.. इसी बीच मॉम उठ कर चली गई थीं।

फिर केबल टीवी पर सेक्सी ब्लू फिल्म आने लगी.. मैं तो एकदम से दंग रह गया। मैंने झट से चैनल बदल लिया, मुझे डर था कि कहीं मॉम न देख लें।

मैंने सुना था कि आधी रात में केबल टीवी पर सेक्सी ब्लू फिल्म दिखाते हैं, कभी मौका नहीं मिला था, एक दो बार 2-4 मिनट देखी थी। आज अच्छा मौका था.. पर तभी मैं सोचने लगा कि कहीं मॉम नहीं आ जाए।

मैंने सोचा कि शायद मॉम रूम में सोने चली गई हैं.. मैंने फिर से इधर-उधर देखा, कोई नहीं था तो मैं चैनल बदल कर सेक्सी ब्लू फिल्म देखने लगा। मैंने आवाज बन्द कर दी थी।
क्या सेक्सी ब्लू फिल्म आ रही थी.. औरत मर्द को चोदते हुए दिखाया जा रहा था।

अचानक मुझे लगा कि मॉम पीछे दरवाजे के पास खड़ी होकर फिल्म देख रही हैं, ये मैंने दबी नजरों से देख लिया था। पहले तो मेरी गांड फटी पर मैंने सोचा कि चलो देखते हैं कि आज क्या होता है।

उधर मॉम को भी नहीं पता चला था कि मैंने उन्हें देख लिया है। मैंने सोचा जब मॉम ने देख ही लिया है.. और वो भी देख रही हैं.. तो चलने दो।

अब एक तरह से हम दोनों ही सेक्सी ब्लू फिल्म देख रहे थे। मैंने आवाज भी हल्की खोल

दी। मेरा भी लंड सख्त हो गया था, मैं पजामा पहने हुआ था।

मैं पजामे के ऊपर से अपने लंड को सहलाता और पकड़ लेता था। अचानक मैं पीछे घूमा और मॉम को देखकर बोला- अरे मॉम.. आप सोई नहीं, अच्छा तो अब यहीं बैठ कर देख लो ना, कितनी देर तक खड़ी रहोगी।

पहले तो वो सकुचाईं.. फिर मेरे पास सोफ़ा पर बैठ गईं। फिल्म में अब एक सीन में माँ बेटे का सेक्स दिखाया जा रहा था और दोनों पूरी तन्मयता से चुदाई का आनन्द ले रहे थे। उसमें वो औरत लड़के को बोल-बोल कर सेक्स का तरीका बता कर अपनी चुत चुदवा रही थी।

मैंने आवाज थोड़ी बढ़ाई तो मॉम ने कहा- इसे कम ही रहने दो।

अब मैं मॉम की गोद में जाँघों पर लेट गया। हम दोनों बेफिक्र होकर सेक्सी ब्लू फिल्म देख रहे थे। टीवी में तरह-तरह से चुदाई के तरीके देखकर मेरा लंड पजामे में एकदम खड़ा था और बेताब हो रहा था, जिसे मॉम भी देख रही थीं।

तभ मॉम ऐसे ही कुछ झुकीं.. तो उनके चूचे मेरे मुँह पर आ गए.. मैंने होंठों के बीच उनके मम्मों को ले लिया.. तो वो कुछ नहीं बोलीं।

फिर मैंने और थोड़ा ऊपर होकर एक चूचे का निप्पल अपने मुँह से दबा दिया, उन्होंने भी मेरे सर पर हाथ फेर कर मुझे हरी झंडी दे दी।

अब तो मॉम भी फिल्म देखते-देखते मुझसे मजा लेने लगीं.. वो चूचों को मेरे होंठों से रगड़वाती हुई ‘अह..’ कर रही थीं। अब तो मॉम कभी अपनी बुर खुजातीं.. तो कभी अपने मम्मों को मसलतीं, कभी अपने होंठों को अपने दाँतों से दबा कर अपनी चुदास दिखातीं।

मैं समझ गया कि ये बहुत उत्तेजित हो गई हैं। अब तो मॉम एकदम खुलते हुए अपने ब्लाउज में हाथ डाल कर मम्मों को खुजला रही थीं.. और एक बार तो उन्होंने मुझे सरका कर अपनी साड़ी उठा कर पेटीकोट में हाथ डालकर अपनी बुर में भी उंगली की।

मैंने पूछा- क्या हुआ.. कहीं दर्द है क्या ?

वो मुस्कुरा दीं।

मैं फिर से उनकी गोद में लेटे-लेटे उनकी कमर में हाथ फेर रहा था। उनकी कमर नंगी थी, मैं सोचने लगा कि आज अच्छा मौका है, शायद चांस लग जाए, ट्राई करते हैं।

मैंने अपने हाथ से उनकी बुर को दबा दिया जब मॉम का कोई रिएक्शन नहीं हुआ तो फिर साड़ी के ऊपर से ही उंगली से चुत दबाने लगा। अपनी चुत पर उंगली का दबाव पड़ते ही उन्होंने सिसकारी भरी।

अब टीवी पर ब्लू-फिल्म खत्म होकर दूसरी फिल्म शुरू होने वाली थी, तो मॉम बोलीं- काफी देर हो गई है.. अब सो जाओ, बहुत देख लिया.. अब टीवी बन्द करो।
मैं बोला- मॉम थोड़ी देर और.. अच्छा लग रहा है !

वो उठकर सोने चली गईं, मैं फिल्म देख रहा था, आज बड़ा मजा आ रहा था। मैं भी सोचने लगा.. आज तो सेक्सी ब्लू फिल्म वाले सीन करना ही है और चुदाई का मजा लेना है।

दस मिनट बाद मूवी खत्म होने के बाद मैंने टीवी ऑफ किया और मैं भी मॉम के बगल में जाकर लेट गया।
मैं बोला- यहीं सो जाता हूँ।
मैं मॉम के बाजू में ही लेट गया।

कुछ देर बाद मैं अपना लंड मसल रहा था, तो मॉम ने अपना मुँह घुमा लिया। कुछ देर के बाद मैंने अपना हाथ मॉम के ऊपर रख दिया, जब कोई विरोध नहीं हुआ तो मैंने मॉम की कमर पर अपना हाथ बढ़ा दिया।

मॉम का मुँह उस तरफ था, मैं थोड़ा आगे गया और मॉम से और चिपक गया, मेरा लंड मॉम की गांड को छूने लगा। धीरे-धीरे मैंने हाथ मॉम के मम्मों पर रख दिया और उन्हें सहलाने लगा।
मुझे लगा कि मॉम सो गई हैं लेकिन वो सोने का नाटक कर रही थीं। मैंने धीरे-धीरे अपना हाथ मॉम के पेट से घुमाते हुए आगे से उनकी साड़ी में डाला।

तभी मॉम ने मेरा हाथ पकड़ा और बोला- क्या कर रहा है ?
यह बोल कर वो सीधी हो गईं और उन्होंने अपनी साड़ी ठीक की।

मैं बहुत घबरा गया लेकिन मॉम ने बोला- क्या बात है ?
मैं बोला- कुछ नहीं !
‘कुछ नहीं.. तो सो जाओ..’

मैंने कहा- आपको मूवी कैसी लगी ?
वो बोलीं- ये बड़ों के लिए है।
मैंने कहा- मजा आ रहा था.. आज रहा नहीं जा रहा है।

इतना कह कर मैं अपना लंड मसलने लगा।

मैंने फिर मॉम के ऊपर अपनी टांगें रखकर चिपक गया और उनके मम्मों को दबाने लगा।
मैंने देखा कि उन्होंने अपने ब्लाउज के ऊपर के सारे बटन खोले हुए थे.. सिर्फ एक ही बन्द था।

मैंने हल्की सी आवाज में मॉम के कानों में सरगोशी सी की- उसमें मजा आता है ना..!
मॉम भी उत्तेजित हो रही थीं।

मैंने फिर कहा- आप तो डैड के साथ भी मूवी के सीन की तरह मस्ती लेती हो.. मैंने कई बार आपको मूवी की तरह सेक्स करते हुए देखा है.. डैड के संग कैसे चुदवाने का मजा लेती हो।
यह कह कर मैंने उनके मम्मों को जोर से हाथ से दबा दिए।

वो बोलीं- उह्ह.. क्या कर रहा है ? तू पागल है, तू मेरा बेटा है.. ऐसा नहीं हो सकता.. मैं तुम्हारे पापा से बोल दूँगी!
मैंने भी कहा- मैं बोलूँगा कि आपने मुझे ब्लू-फिल्म दिखाई थी और मुझसे लिपट गई थीं.. मेरे कपड़े जबरदस्ती उतार दिए थे।
वो बोलीं- चुप हो जा.. तू बड़ा बदमाश हो गया है।

मैंने कहा- अगर आज आप मेरे साथ सेक्स करेंगी.. तो मैं किसी से भी नहीं कहूँगा, डैड से भी नहीं.. हम दोनों को सेक्स का मजा मिलेगा.. नहीं तो मैं सबको बोलूँगा।
वो बोलीं- अच्छा चुप हो जा.. पर वायदा कर कि आज की बात किसी को नहीं बताएगा!
मैंने कहा- ये तो आपके और मेरे बीच की बात है।

फ़िर मैंने कहा- जल्दी करो.. मूवी की तरह करेंगे, सेक्सी ब्लू फिल्म में जैसे लड़की और वो लड़का कर रहे थे।

मॉम हंस दीं.. तो बस मैंने मॉम का ब्लाउज का बचा हुक भी खोल दिया।

अब मेरी बहुप्रतीक्षित आस पूरी होने जा रही है.. इसको पूरे विवरण के साथ अगले भाग में लिखूंगा। जिन दोस्तों को बेटे और मां की चुदाई की इस सेक्स स्टोरी में मजा आ रहा हो वे मुझे अपने ईमेल जरूर लिखें।

ramji336@hotmail.com

कहानी जारी है।

Other stories you may be interested in

मम्मीजी आने वाली हैं-5

स्वाति भाभी अब कुछ देर तो ऐसे ही अपनी चूत से मेरे लण्ड पर प्रेमरस की बारिश सी करती रही फिर धीरे धीरे उसके हाथ पैरो की पकड़ ढीली हो गयी। अपने सारे काम ज्वार को मेरे लण्ड पर उगलने […]
Full Story >>>

विधवा औरत की चूत चुदाई का मस्त मजा-3

कहानी के पिछले भाग में आपने पढ़ा कि मैं उस विधवा औरत की बरसों से प्यासी चूत को चोदने में कामयाब हो गया था. मगर मुझे लग रहा था कि शायद कहीं कोई कमी रह गयी थी. मैंने तो अपना […]
Full Story >>>

चाची की चूत और अनचुदी गांड मारी

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम रंजन देसाई है. मेरी उम्र 27 साल है और मैं कोल्हापुर, महाराष्ट्र का रहने वाला हूं. मैंने अन्तर्वासना पर बहुत सारी कहानियां पढ़ी हैं. ये मेरी पहली कहानी है जो मैं अन्तर्वासना पर लिख रहा हूं. […]
Full Story >>>

खुली छत पर गांड की चुदाई की गंदी कहानी

सभी लण्डधारियों को मेरे इन गुलाबी होंठों से चुम्बन ! मैं बिंदु देवी फिर से आ गयी हूं अपनी चुदाई की गाथा लेकर। मैं पटना में रहती हूं। मेरी फिगर 34-32-36 है। आप लोगों ने पिछली कहानी पढ़ कर खूब मेल […]
Full Story >>>

ऑफिस की मैम की चूत और गांड

मेरा नाम शकील है और मैं मुंबई से हूँ. मैं एक निजी कंपनी में जॉब करता हूँ. मेरी उम्र 28 साल है व हाइट 5 फुट 8 इंच है. मैं देखने में ठीक ठाक हूँ. मेरी कंपनी में कौसर मेम […]
Full Story >>>